आप पढ़ रहे हैं देश का एकमात्र नो निगेटिव अखबार

दैनिक भास्कर

सप्ताह की शुरुआत पॉजिटिव सोच के साथ

झुंझुनूं, सोमवार, 10 मार्च, 2025 | फाल्गुन, शुक्ल पक्ष-11, 2081 | कुल पृष्ठ 20 | मूल्य ₹ 5.00 | महानगर

12 राज्य | 61 संस्करण

शेखावाटी भास्कर

झुंझुनूं, रविवार, 9 मार्च, 2025 झुंझुनूं - चिड़ावा - पिलानी सीकर - नवलगढ़ - सूरजगढ़ dainikbhaskar.com

प्रशिक्षण • एडवांस्ड डिजाइन प्रशिक्षण में 60 से अधिक प्रतिभागियों ने की शिरकत

भारत में चिप डिजाइन के अवसरों और संभावनाओं पर चर्चा के लिए सीरी पिलानी में आयोजित हुई कार्यशाला

भास्कर न्यूज | पिलानी

सीएसआईआर सीरी कैंपस में उद्यमिता और कौशल विकास कार्यक्रम पर एडवांस्ड डिजाइन विषयक पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें चिप डिजाइन के अवसरों और संभावनाओं पर जानकारी दी गई।

कार्यक्रम में विभिन्न विषय विशेषज्ञों, शिक्षाविदों, आईआईटी, एनआईआईटी सहित देशभर के इंजीनियरिंग संस्थानों और उद्योग जगत से 60 से अधिक प्रतिभागी शामिल हुए। कार्यक्रम की शुरुआत सीरी के पूर्व निदेशक डॉ. चंद्रशेखर द्वारा सी मॉस डिवाइसेज में प्रगति और भविष्य की चुनौतियों पर विचारशील चर्चा से हुई। आईआईटी दिल्ली के पूर्व प्रोफेसर जीएस विश्वेश्वरन ने सीमॉस वीएलएसआई डिजाइन पर विस्तृत व्याख्यान दिया। लेफ्टिनेंट कर्नल मानस बाजपेई, कैलिफोर्निया स्टेट यूनिवर्सिटी यूएसए की प्रोफेसर जया दोफे, इंटेल के वरिष्ठ डिजाइन इंजीनियर विजय कुमार, बिट्स पिलानी के प्रोफेसर नीरज मिश्रा, कैडेन्स के डॉ. मनोज कुमार तिवारी, एमएनआईटी के डॉ. मनीष कुमार, डिजिटल यूनि. केरल के डॉ. एलेक्स जेम्स और एन्सिस इंडिया के निदेशक डॉ. अनंत नारायण ने भी प्रतिभागियों का मार्गदर्शन किया। अंत में सीरी निदेशक डॉ. पीसी पंचारिया ने बताया कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य देश के सेमीकंडक्टर ईकोसिस्टम को मजबूत करने के लिए एडवांस्ड वीएलएसआई डिजाइन और सेमीकंडक्टर उद्योग के लिए आवश्यक जनशक्ति का कौशल विकास करना है ताकि भारत चिप डिजाइन और फैब्रिकेशन के क्षेत्र में आत्मनिर्भर और वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बन सके।

पिलानी. सीरी में हुई कार्यशाला में उपस्थिति प्रतिभागी।

पैरामीटर ऑप्टिमाइजेशन पर दिया व्याख्यान

वीएलएसआई सोसाइटी ऑफ इंडिया के अध्यक्ष डॉ. सत्य गुप्ता ने भारत में चिप डिजाइन के अवसरों और संभावनाओं पर जानकारी दी। एनालॉग डिजाइन विशेषज्ञ डॉ. अनुरूप मित्रा ने सीमॉस एम्प्लीफायर डिजाइन और स्टैंडर्ड पीडीके का उपयोग कर पैरामीटर ऑप्टिमाइजेशन पर व्याख्यान दिया। इस कार्यक्रम का मुख्य आकर्षक एनएक्सपी सेमीकंडक्टर्स के वरिष्ठ सुरक्षा आर्किटेक्ट अरुण जैन द्वारा वीएलएसआई सर्किट और सिस्टम में हार्डवेयर और सिस्टम सुरक्षा पर एक इंटरएक्टिव सत्र था।